Vivek Aggarwal, IAS
Joint Secretary &
CEO, PM-KISAN

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग
Government of India
Ministry of Agriculture & Farmers Welfare
Department of Agriculture, Cooperation
& Farmers Welfare

अ.शा. पत्र स. 09/2020

दिनांक: 24 दिसंबर, 2020

महोदय,

संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से प्राप्त हुए पत्र दिनांक 23.12.2020 का संदर्भ लेने का कष्ट करें। भारत सरकार पुनः अपनी प्रतिबद्धता दोहराना चाहती है कि वह आंदोलनकारी किसान संगठनों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों का तर्कपूर्ण समाधान करने के लिए तत्पर है। दिनांक 20.12.2020 को लिखे गए पत्र में भी यह स्पष्तया उल्लेख किया गया था कि आंदोलनकारी किसान संगठनों द्वारा उठाए गए सभी मौखिक एवं लिखित मुद्दों पर सरकार सकारात्मक रुख अपनाते हुए वार्ता करने के लिए तैयार है। अब तक हुई सभी वार्ताओं में किसान यूनियन के प्रतिनिधियों द्वारा कई बार उल्लेखित किया गय था कि सराकर द्वारा आमंत्रण तथा संबोधन सभी संगठनों को पृथक पृथक किया जाए। आपके द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि श्री दर्शन पाल जी द्वारा लिखा गया पत्र संयुक्त किसान मोर्चे की ओर से लिखा गया था, इस स्पष्टीकरण के लिए मैं आभारी हूं।

भारत सरकार के लिए देश के समस्त किसान संगठनों के साथ वार्ता का रास्ता खुला रखना आवश्यक है। देश के अनेक स्थापित किसान संगठनों एवं किसानों की आदरपूर्वक बात सुनना सरकार का दायित्व है, सरकार इससे इन्कार नहीं कर सकती है। संयुक्त किसान मोर्चा के अतंर्गत आंदोलनकारी समस्त किसान यूनियनों के साथ सरकार द्वारा बहुत ही सम्मानजनक तरीके से और खुले मन से कई दौर की वार्ता की गई है और आगे भी आपकी सुविधा अनुसार वार्ता करने की पेशकश की है।

आपके द्वारा सरकार के लिखित प्रस्ताव के संबंध में यह आपत्ति की गई है कि आवश्यक वस्तु अधिनियम के संशोधन का कोई प्रस्ताव नहीं दिया गया। पूर्व के पत्रों में यह स्पष्ट उल्लेख था कि 03.12.2020 को हुई वार्ता में जितने मुद्दें चिन्हित किए गए थे, उन सभी मुद्दों के संबंध में लिखित प्रस्ताव दिया गया था। फिर भी दिनांक 20.12.2020 के पत्र में यह उल्लेख किया गया था कि यदि कोई अन्य मुद्दा भी है, तो उस पर भी सरकार वार्ता करने को तैयार है।

कृषि सुधार से संबंधित तीनों कानूनों का न्यूनतम समर्थन मूल्य की खरीदी से कोई संबंध नहीं है और न ही इन तीन कानूनों के आने से पूर्व से जारी न्यूनतम समर्थन मूल्य की खरीदी की व्यवस्था पर कोई प्रभाव है। इस बात का उल्लेख वार्ता के हर दौर में किया गया और यह भी स्पष्ट किया गया कि सरकार न्यूनतम समर्थन पर खरीदी की वर्तमान व्यवस्था के लागू रहने के संबंध में लिखित आश्वासन देने को तैयार है। इस विषय में कोई नई मांग रखना, जो नए कृषि कानूनों से परे है, उसका वार्ता में सम्मिलित किया जाना तर्कसंगत प्रतीत नहीं लगता है, फिर भी जैसा पूर्व में उल्लेख किया गया है, सरकार आपके द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर वार्ता के लिए तैयार है।

जहां तक विद्युत संशोधन अधिनियम तथा पराली को जलाने से संबंधित प्रावधानों का प्रश्न है, उन पर भी सरकार 03.12.2020 की बैठक में चिन्हित मुद्दों पर दिए गए प्रस्ताव के अतिरिक्त भी यदि कोई अन्य मुद्दा है, तो उस पर भारत सरकार वार्ता के लिए तैयार है।

मैं पुनः आपसे अनुरोध करता हूं कि सरकार साफ नियत तथा खुले मन से आंदोलन को समाप्त करने एवं मुद्दों पर वार्ता करती रही है एवं आगे भी तैयार है, आप कृपया अपनी सुविधा अनुसार तिथि एवं समय बताएं। इसके साथ ही, जिन अन्य मुद्दों पर वार्ता करना चाहते हैं, उन मुद्दों का विवरण दें। यह वार्ता आपके द्वारा सुझाई गई तिथि एवं समय को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में मंत्री स्तरीय समिति के साथ आयोजित की जाएगी।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(विवेक अग्रवाल)
संयुक्त सचिव, भारत सरकार

प्रतिलिपि:

1. डॉ. दर्शनपाल, स्टेट प्रेजिडेंट, क्रांतिकारी किसान यूनियन, पंजाब
2. कुलवंत सिंह संधू, जनरल सेक्रेटरी, जमूहरी किसान सभा, पंजाब
3. बूटा सिंह बुर्जगिल, प्रेजिडेंट, भारतीय किसान सभा, दकोंदा
4. बलदेव सिंह निहालगढ़, जनरल सेक्रेटरी, कुल हिंद किसान सभा, पंजाब
5. निरभाई सिंह धुदिके, प्रेजिडेंट, क्रीति किसान यूनियन
6. रूलदु सिंह मानसा, प्रेजिडेंट, पंजाब किसान यूनियन

6. रूलदु सिंह मानसा, प्रेजिडेंट, पंजाब किसान यूनियन
7. मेजर सिंह पुन्नावल, जनरल सेक्रेटरी, कुल हिंद किसान सभा, पंजाब
8. इंद्रजीत सिंह कोट बुद्धा, प्रेजिडेंट, किसान संघर्ष कमेटी, पंजाब
9. हरजिंदर सिंह टांडा, प्रेजिडेंट, आजाद किसान संघर्ष कमेटी, पंजाब
10. गुरबक्श सिंह बरनाला, जय किसान आंदोलन, पंजाब
11. सतनाम सिंह पन्नु, प्रेजिडेंट, किसान मजदूर संघर्ष कमेटी, पंजाब
12. कनवलप्रीत सिंह पन्नु, प्रेजिडेंट, किसान संघर्ष कमेटी, पंजाब
13. जोगिंदर सिंह उग्राहा, प्रेजिडेंट, भारतीय किसान यूनियन- एकता-उग्राहा
14. सुरजीत सिंह फूल, प्रेजिडेंट, भारतीय किसान यूनियन-क्रांतिकारी
15. जगजीत सिंह दालेवाल, स्टेट प्रेजिडेंट, भारतीय किसान यूनियन-सिधुपुर
16. हरमीत सिंह, स्टेट प्रेजिडेंट, भारतीय किसान यूनियन- क्यूदियन
17. बलबीर सिंह राजेवल, स्टेट प्रेजिडेंट, भारतीय किसान यूनियन- राजेवल
18. सतनाम सिंह साहनी, जनरल सेक्रेटरी, भारतीय किसान यूनियन-दाओबा
19. बोघ सिंह मानसा, प्रेजिडेंट, भारतीय किसान यूनियन-मानसा
20. बलविंदर सिंह ओलख, माझा किसान कमेटी
21. सतनाम सिंह बेहरू, प्रेजिडेंट, इंडियन फार्मर एसोशिएशन ऑफ इंडिया
22. बुटा सिंह शादीपुर, प्रेजिडेंट, भारतीय किसान मंच
23. बलदेव सिंह सिरसा, लोक भलाई इंसाफ वेलफेयर सोसाइटी
24. जंगबीर सिंह टांडा, दाओबा किसान समिति
25. मुकेश चंद्रा, दाओबा किसान संघर्ष कमेटी
26. सुखपाल सिंह डाफ्फर, प्रेजिडेंट, गन्ना संघर्ष कमेटी
27. हरपाल सांघा, आजाद किसान कमेटी, दाओबा
28. बलदेव सिंह मियांपुर, भारतीय किसान यूनियन- मान
29. कृपाल सिंह नाथुवाला, किसान बचाओ मोर्चा
30. परमिंदर सिंह पाल माजरा, भारतीय किसान यूनियन लखेवाल
31. प्रेम सिंह भंगू, कुल हिन्द किसान फेडरेशन
32. किरणजीत सेखों, कुल हिन्द किसान फेडरेशन
33. श्री गुरनाम सिहं चथूनी, भारतीय किसान यूनियन
34. श्री हनान मोला, कुल हिंद किसान संघर्ष तालमेल कमेटी
35. श्री शिवकुमार कक्का, सर्व हिंद राष्ट्रीय किसान महासंघ
36. श्री राकेश टिकैत, अध्यक्ष, भारतीय किसान यूनियन
37. श्री चौधरी हरपाल सिहं बिलारी, भारतीय किसान यूनियन (असली अराजनैतिक)
38. सुश्री कविता कुरूगुंटी, महिला अधिकार मंच
39. श्री ऋषिपाल अमावता, अध्यक्ष, भारतीय किसान यूनियन (अमावता)
40. श्री अभिमन्यू कौहार, प्रवक्ता, राष्ट्रीय किसान महासंघ